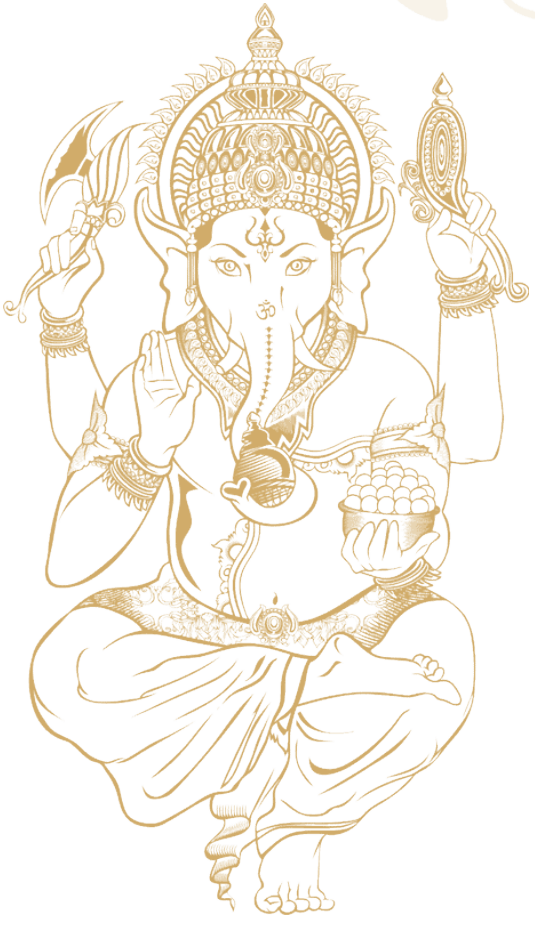

Rahul Verma

Vandana Soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121915203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28-01/03/1986	जन्म तिथि	08/08/1987
शुक्र-शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 02:40:00	जन्म समय	22:40:00 घंटे
घटी 49:39:53	जन्म समय(घटी)	42:14:52 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:48:02	सूर्योदय	05:46:03
18:20:30	सूर्यास्त	19:07:07
23:39:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:41:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 11वर्ष 2मा 13दि	05:47:18	धनु	लग्न	मेष	06:07:01	चन्द्र 8वर्ष 8मा 6दि
शनि	16:19:24	कुंभ	सूर्य	कर्क	21:56:31	गुरु
14/05/2013	11:42:04	तुला	चंद्र	मक	11:45:14	15/04/2021
13/05/2032	21:42:21	वृश्चि	मंगल	कर्क	27:20:34	15/04/2037
शनि 17/05/2016	04:24:16	मीन	बुध	कर्क	09:46:40	गुरु 03/06/2023
बुध 25/01/2019	08:18:28	कुंभ	गुरु	मेष	05:50:30	शनि 14/12/2025
केतु 04/03/2020	26:02:04	कुंभ	शुक्र	कर्क	17:56:14	बुध 21/03/2028
शुक्र 05/05/2023	15:45:14	वृश्चि	शनि व	वृश्चि	20:56:28	केतु 25/02/2029
सूर्य 16/04/2024	07:26:04	मेष	राहु व	मीन	09:40:45	शुक्र 27/10/2031
चन्द्र 15/11/2025	07:26:04	तुला	केतु व	कन्या	09:40:45	सूर्य 14/08/2032
मंगल 25/12/2026	28:23:58	वृश्चि	हर्ष व	वृश्चि	29:16:14	चन्द्र 14/12/2033
राहु 31/10/2029	11:45:30	धनु	नेप व	धनु	11:56:48	मंगल 20/11/2034
गुरु 13/05/2032	13:35:00	तुला व	प्लूटो	तुला	13:35:48	राहु 15/04/2037

लग्न-चलित

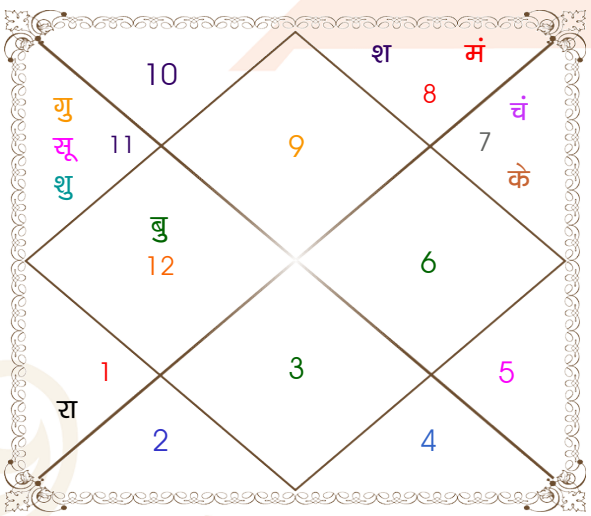

लग्न-चलित

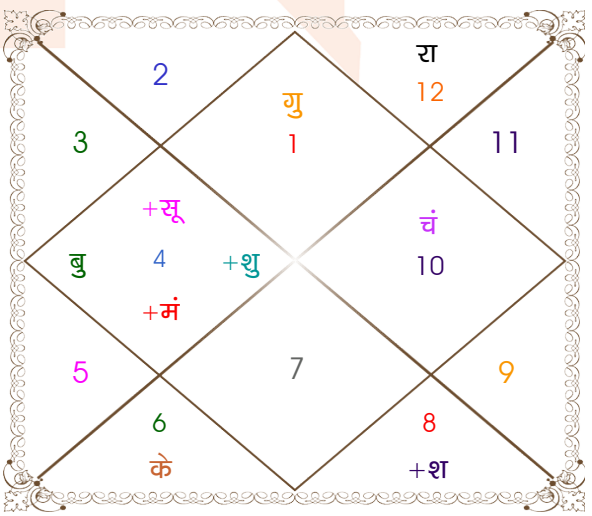

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि टंदकंदै वदप का नक्षत्र श्रवण है।

तीनस टमतउं का वर्ग मृग है तथा टंदकंदै वदप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार तीनस टमतउं और टंदकंदै वदप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

तीनस टमतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल तीनस टमतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल तीनस टमतउं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टंदकंदै वदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल टंदकंदै वदप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल टंदकंदै वदप कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु टंदकंदै वदप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

तैनस टमतउं तथा टंदकंदै वदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।